श्याम संग खेलूं होली | By Sudhanshu Pandey

बाबा प्रेम की होली है
श्याम संग खेलूं होली उन्हें रंग जो लगाना है

प्रेम की डोरी बाँध कर उसे बसा लूंगा मन में
ऐसा रंग लगाऊं मैं जो ना छूटे जीवन में
प्रेम की डोरी बाँध कर उसे बसा लूंगा मन में
उस खाटू वाले का उस लीले वाले का
मेरा दिल तो क्या सारा जग ये दीवाना है

ब्रिज की होली देखि हमने बाबा सौ सौ बार
इस बरस होली खेले हम तेरे संग सरकार
अपनों को छोड़ा है सारी दुनिया छोड़ी है
अब तो मेरा मन कहे बस खाटू जाना है

सबकी होली रंग भरी ये बाबा कर देता है
जो भी इसके रंग रंगे ये साथ हमेशा देता है
पुष्पेंद्र प्रभु है तेरा रागी है श्याम तेरी
तेरी रहमतों से बाबा अनमोल खज़ाना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%96%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%82%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-sudhanshu-pandey/